Animal Health camps organized by College of Veterinary Science and Animal Husbandry

पशु स्वास्थ्य शिविर का आयोजन

PLACE: DEOGAON, AYODHYA

- The department of Veterinary Medicine organized clinical camp to educate farmers on DEVELOPMENT AND PREVENTION OF PRODUCTION DISEASES and conducted field tests on urine of milch animals to detect ketosis.

कृषि विश्वविद्यालय द्वारा गांव मे पशु चिकित्सा जांच शिविर लगा शुरू की नयी पहल

– पशु औषधि विभाग, पशु चिकित्सा एवं पशुपालन महाविद्यालय द्वारा पशु स्वास्थ्य शिविर का आयोजन

डहेलिया टाइम्स ब्यूरो

अयोध्या।आचार्य नरेंद्र देव कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्व विद्यालय में स्थित पशु चिकित्सा एवं पशुपालन महाविद्यालय के पशु औषधि विभाग द्वारा ग्राम– देवगांव , अमानीगंज ब्लाक में 'अपापचयी रोग कीटोसिस' जांच शिविर का आयोजन किया गया ।

जिसमें पशुपालकों को उनके पशुओं की मूत्र जांच कर कीटोसिस नामक घातक रोग की पहचान कर , पशुपालकों को इस रोग से बचाव के तरीकों से अवगत कराया गया । इस शिविर के प्रेरणा स्त्रोत विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ बिजेंद्र सिंह ने कृषकों से सीधे संपर्क स्थापित करने को विश्वविद्यालय की प्राथमिकता बताई तथा भविष्य में भी इस प्रकार के शिविरों के आयोजन पर बल दिया । पशु चिकित्सा पशुपालन महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉक्टर आर के जोशी ने ब्याने के उपरांत दूध उत्पाद में आई कमी के लिए इस रोग को प्रमुख कारण बताया तथा साथ ही इसकी समय से जांच करने को अति आवश्यक बताया। इस शिविर में पशु औषधि विज्ञान विभाग के सहायक प्राध्यापक डॉ जे. पी. सिंह, डॉ रामाकांत, पशु प्रसार विभाग के सहायक प्राध्यापक डॉ हुकुमचंद आदि ने प्रतिभाग किया । पशुपालकों के द्वारा पूछे गए सभी प्रकार की समस्याओं का निवारण कर ग्रसित पशुओं में विरबैक एनिमल हेल्थ की सहायता से औषधि का भी वितरण किया गया । विश्वविद्यालय के मीडिया प्रभारी डॉ अखिलेश कुमार सिंह ने बताया कि इस शिविर में लगभग 35 पशुपालकों शामिल हुए तथा 20 पशुओं के मूत्र की जांच भी की गई । पशुपालन विभाग खंडासा ब्लॉक के पशु चिकित्सा अधिकारी डॉ एस पी वर्मा ने भी इस शिविर में प्रतिभाग किया । इस कार्यक्रम को सफल बनाने में अधिष्ठाता पशु चिकित्सा एवं पशुपालन महाविद्यालय डॉक्टर आर के जोशी , अधिष्ठाता छात्र डॉ देवाशीष नियोगी एवं सहायक प्राध्यापक औषधि विभाग डॉ सत्यव्रत सिंह ने प्रमुख भूमिका निभाई।

कृषि विवि ने गांव में पशु चिकित्सा शिविर लगा शुरू की नई पहल

संवाद न्यूज एजेंसी

पशु औषधि, पशु चिकित्सा व पशुपालन महाविद्यालय की ओर से शिविर का आयोजन

अयोध्या। आचार्य नरेंद्र देव कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय स्थित पशु चिकित्सा एवं पशुपालन महाविद्यालय के पशु औषधि विभाग ने ग्राम देवगांव अमानीगंज ब्लॉक में अपापचयी रोग कीटोसिस जांच शिविर का आयोजन किया। इसमें पशुपालकों को कीटोसिस नामक घातक रोग से बचाव के तरीकों से अवगत कराया गया।

कुलपति डॉ. बिजेंद्र सिंह ने कृषकों से सीधे संपर्क स्थापित करने के लिए विश्वविद्यालय की प्राथमिकता बताई तथा भविष्य में भी ऐसे शिविरों के आयोजन पर बल दिया। पशु चिकित्सा पशुपालन महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. आरके जोशी ने ब्याने के बाद दूध उत्पाद में आई कमी को इस रोग का प्रमुख कारण बताया। साथ ही इसकी समय से जांच करने को अति आवश्यक बताया।

शिविर में पशुपालकों से पूछे गए सभी प्रकार की समस्याओं का निवारण कर औषधि का भी वितरण किया गया। विश्वविद्यालय के मीडिया प्रभारी डॉ. अखिलेश कुमार सिंह ने बताया कि इस शिविर में लगभग 35 पशुपालक शामिल हुए तथा 20 पशुओं के मूत्र की जांच भी की गई।

शिविर में खंडासा ब्लॉक के पशु चिकित्सा अधिकारी डॉ. एसपी वर्मा, पशु औषधि विज्ञान विभाग के सहायक प्राध्यापक डॉ. जेपी सिंह, डॉ. रामाकांत, पशु प्रसार विभाग के सहायक प्राध्यापक डॉ. हुकुमचंद आदि ने प्रतिभाग किया। कार्यक्रम को सफल बनाने में अधिष्ठाता पशु चिकित्सा एवं पशुपालन महाविद्यालय डॉ. आर के जोशी, अधिष्ठाता छात्र डॉ. देवाशीष नियोगी एवं सहायक प्राध्यापक औषधि विभाग डॉ. सत्यव्रत सिंह ने प्रमुख भूमिका निभाई ।

पशु औषधि विभाग, पशु चिकित्सा एवं पशुपालन महाविद्यालय द्वारा पशु स्वास्थ्य शिविर का आयोजन

- पशु चिकित्सा एवं पशुपालन महा विद्यालय स्थित पशु औषधि विभाग द्वारा ग्राम वगांव अमानीगंज ब्लाक में अपापचयी रोग़ कीटोसिस जांच शिविर का आयोजन किया गया जिसमें पशुपालकों को उनके पशुओं की मूत्र जांच कर कीटोसिस नामक घातक रोग की पहचान कर पशुपालकों को इस रोग से बचाव के तरीकों से अवगत कराया गया ।
- इस शिविर में लगभग 35 पशुपालकों शमिल हुए तथा 20 पशुओं के मूत्र की जांच भी की गई ।

पशु औषधि विभाग
पशु चिकित्सा एवं पशुपालन
महाविद्यालय

Camp at village Barauli Jham

- The department of Veterinary Medicine organized Disease Awareness Animal Health Camp To Educate Farmers On Different Diseases And Aspects Of Prevention And Control Of Diseases Likely To Occur In Rainy Season.
- Milk and urine were examined for detection of subclinical mastitis and ketosis.
- Deticking was performed and animals were sprayed with acaricide.

पशुपालकों के बीच जाकर, पशु चिकित्सा एवं पशुपालन महाविद्यालय के वैज्ञानिकों ने साझा किए पशु रोग बचाव के तरीके

- पशु चिकित्सा एवं पशुपालन महा विद्यालय के पशु औषधि विभाग एवं पशु विकृत विभाग के वैज्ञानिकों नें ग्राम बिरौली झाम में वर्षा ऋतु के समय होने वाले विभिन्न रोगों की जानकारी पशुपालकों से साझा की तथा पशुओं में होने वाले अपाचयी रोग़ कीटोसिस एवं थनैला की जांच पशु मूत्र एवं □ध कर ग्रामीण वासियों को इन रोगों से बचने के बारे में विस्तृत जानकारी प्र□ान की ।
- पशुओं में किलनी नाशक द्रव्य का छिड़काव भी कराया गया।
- इस शिविर में 45 पशुपालकों शमिल हुए ।

पशु औषधि विभाग

पशुपालकों के बीच जाकर , पशु चिकित्सा वैज्ञानिकों ने साझा किए पशु रोग बचाव के तरीके

(कुटुंब जागरण ब्यूरो) अयोध्या। आचार्य नरेंद्र देव कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्व विद्यालय स्थित पशु चिकित्सा एवं पशुपालन महा विद्यालय के पशु औषधि विभाग एवं पशु विकृत विभाग के वैज्ञानिकों ने ग्राम बिरौली झाम में वर्षा ऋतु के समय होने वाले विभिन्न रोगों की जानकारी पशुपालकों से साझा की तथा पशुओं में होने वाले अपापचयी रोग कीटोसिस एवं थनैला की जांच पशु मूत्र एवं दुध की ग्रामीण वासियों को इन रोगों से बचने के बारे में विस्तृत जानकारी प्रदान की । मोबाइल के इस युग में वैज्ञानिकों ने अपना नंबर देकर पशुपालकों से पशु स्वास्थ्य संबंधित किसी भी समस्या का उचित परामर्श लेने हेतु प्रोत्साहित किया । विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ बिजेंद्र सिंह के ग्रामीण वासियों के बीच जाकर उनकी समस्याओं का निवारण करने का आह्वान किया । कृषकों से सीधे संपर्क स्थापित करना ही विश्वविद्यालय की प्राथमिकता है तथा ग्रामीण वासियों को सीधा लाभ पहुंचाना ही विश्वविद्यालय का प्रमुख लक्ष्य है ।पशु चिकित्सा पशुपालन महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉक्टर आर के जोशी ने बताया कि वर्षा ऋतु के समय हमारे पशु अनेक रोगों से ग्रसित हो जाते हैं जिससे कि पशुपालकों को अधिक आर्थिक हानि होती है जिसे कुछ सरल उपायों से रोका जा सकता है ।इस शिविर में पशु विकृत विभाग के प्राध्यापक एवं विभागाध्यक्ष डॉ देवाशीष नियोगी एवं पशु औषधि विज्ञान विभाग के सहायक प्राध्यापक डॉ सत्यव्रत सिंह एवं डॉ रामाकांत प्रतिभाग किया । पशुपालकों के द्वारा पशु रोग संबंधित प्रश्नों एवं समस्याओं का बहुत ही सरल तरीके से निवारण कर ग्रसित पशुओं मैं विरबैक एनिमल हेल्थ की सहायता से औषधि का भी वितरण किया गया। पशुओं में किलनी नाशक द्रव्य का छिड़काव भी कराया गया । इस शिविर में लगभग 45 पशुपालकों शमिल हुए। विश्वविद्यालय के मीडिया प्रभारी डॉ अखिलेश कुमार सिंह ने बताया कि विश्वविद्यालय के वैज्ञानिक किसान भाइयों के बीच जाकर उनकी समस्याओं का निवारण करने के लिए प्रतिबद्ध हैं तथा भविष्य में भी इस प्रकार के कई कार्यक्रम आयोजित करने का लक्ष्य भी है।

पशुपालकों के बीच जाकर , पशु चिकित्सा वैज्ञानिकों ने साझा किए पशु रोग बचाव के तरीके

सर्वेश श्रीवास्तव

तरुण प्रवाह ,अयोध्या। आचार्य नरेंद्र देव कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्व विद्यालय स्थित पशु चिकित्सा एवं पशुपालन महा विद्यालय के पशु औषधि विभाग एवं पशु विकृत विभाग के वैज्ञानिकों ने ग्राम बिरौली झाम में वर्षा ऋतु के समय होने वाले विभिन्न रोगों की जानकारी पशुपालकों से साझा की तथा पशुओं में होने वाले अपापचयी रोग कीटोसिस एवं थनैला की जांच पशु मूत्र एवं दूध की ग्रामीण वासियों को इन रोगों से बचने के बारे में विस्तृत जानकारी प्रदान की । मोबाइल के इस युग में वैज्ञानिकों ने अपना नंबर देकर पशुपालकों से पशु स्वास्थ्य संबंधित किसी भी समस्या का उचित परामर्श लेने हेतु प्रोत्साहित किया ।विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ बिजेंद्र सिंह के ग्रामीण वासियों के बीच जाकर उनकी समस्याओं का निवारण

करने का आह्वान किया । कृषकों से सीधे संपर्क स्थापित करना ही विश्वविद्यालय की प्राथमिकता है तथा ग्रामीण वासियों को सीधा लाभ पहुंचाना ही विश्वविद्यालय का प्रमुख लक्ष्य है ।पशु चिकित्सा पशुपालन महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉक्टर आर के जोशी ने बताया कि वर्षा ऋतु के समय हमारे पशु अनेक रोगों से ग्रसित हो जाते हैं जिससे कि पशुपालकों को अधिक आर्थिक हानि होती है जिसे कुछ सरल उपायों से रोका जा सकता है ।इस शिविर में पशु विकृत विभाग के प्राध्यापक एवं विभागाध्यक्ष डॉ देवाशीष नियोगी एवं पशु औषधि विज्ञान विभाग के सहायक प्राध्यापक डॉ सत्यव्रत सिंह एवं डॉ रामाकांत प्रतिभाग किया । पशुपालकों के द्वारा पशु रोग संबंधित प्रश्नों एवं समस्याओं का बहुत ही सरल तरीके से निवारण कर ग्रसित पशुओं मैं विरबैक एनिमल हेल्थ की सहायता से औषधि का भी वितरण किया गया । पशुओं में किलनी नाशक द्रव्य का छिड़काव भी कराया गया । इस शिविर में लगभग 45 पशुपालकों शमिल हुए । विश्वविद्यालय के मीडिया प्रभारी डॉ अखिलेश कुमार सिंह ने बताया कि विश्वविद्यालय के वैज्ञानिक किसान भाइयों के बीच जाकर उनकी समस्याओं का निवारण करने के लिए प्रतिबद्ध हैं तथा भविष्य में भी इस प्रकार के कई कार्यक्रम आयोजित करने का लक्ष्य भी है ।